दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 04 जून 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 243

अंतर्राष्ट्रीय

पाकिस्तान में भारत के एक और दुश्मन का खात्मा, जैश कमांडर मौलाना अब्दुल अजीज इसर की रहस्यमय मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले एक और आतंकी का अंत हो गया है। जैश-ए-मोहम्मद के वरिष्ठ कमांडर मौलाना अब्दुल अजीज इसर की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई है। इस खबर ने खुफिया एजेंसियों से लेकर आतंकी संगठनों तक खलबली मचा दी है। कुख्यात जैश-ए-मोहम्मद का यह आतंकी भारत विरोधी गतिविधियों में सक्रिय था। उसकी मौत कैसे हुई, यह अभी भी रहस्य बना हुआ है। रिपोर्टों के अनुसार, उसका शव पाकिस्तान के बहावलपुर में पाया गया है, जहां जैश का मुख्यालय भी स्थित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब्दुल अजीज वही आतंकी था जिसने पिछले महीने जैश की एक रैली में भारत को धमकी देते हुए कहा था कि भारत का हश्र भी सोवियत संघ जैसा होगा। उसका यह सपना तो पूरा नहीं हो सका, लेकिन आज वह खुद मौत के मुंह में समा गया है। इस मौत को लेकर जैश और पाकिस्तान सरकार दोनों ही चुप्पी साधे हुए हैं। जैश से जुड़े सोशल मीडिया अकाउंट्स ने उसकी मौत और जनाजे की पुष्टि तो की है, लेकिन मौत के कारण पर कोई जानकारी साझा नहीं की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब्दुल अजीज जैश-ए-मोहम्मद के पंजाब प्रांत, खासकर बहावलपुर और रावलपिंडी जैसे इलाकों में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भारत के खिलाफ भड़काने का काम करता था। उसकी मौत जैश के लिए एक बड़ा झटका है, खासकर स्थानीय स्तर पर भर्ती और युवाओं को बरगलाने वाले नेटवर्क के लिए। जैश से जुड़े सूत्रों का कहना है कि उसे बहावलपुर में दफनाया गया है, लेकिन मौत के कारणों पर वे मौन हैं। हालांकि, कई रिपोर्ट्स में उसकी मौत का कारण दिल का दौरा बताया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही पाकिस्तान में आतंकी संगठन दबाव में हैं और लगातार भारत के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं।

पाकिस्तान की कराची जेल से 216 कैदी भागे, भूकंप के बाद मची थी अफरातफरी; 80 से ज्यादा दोबारा पकड़े गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची शहर में सोमवार रात एक भूकंप के झटके के बाद मची अफरातफरी के बीच मलिर जेल से 216 कैदी फरार हो गए। इनमें से करीब 80 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है, जबकि 135 अब भी फरार हैं। घटना ने पाकिस्तान की जेल सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जेल सुपरिंटेंडेंट अरशद शाह के मुताबिक, भूकंप के झटके महसूस होने पर 700 से 1000 कैदियों को ऐहतियातन बैरकों से बाहर निकाला गया था। इसी दौरान मेन गेट पर भगदड़ मच गई और 216 कैदी मौका पाकर फरार हो गए। प्रारंभिक मीडिया रिपोर्ट्स में दीवार तोड़कर भागने की बात सामने आई थी, जिसे प्रशासन ने खारिज किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी कैदी मुख्य द्वार से ही भीड़ का फायदा उठाकर भागे। फरार कैदियों की तलाश के लिए स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट, रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स, रेंजर्स और फ्रंटियर कोर की टीमें संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चला रही हैं। जेल का नियंत्रण रेंजर्स और स्नष्ट ने तुरंत संभाल लिया था। इस भगदड़ के दौरान एक कैदी की मौत हो गई है, जबकि चार सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। गृह मंत्री मुहम्मद जर्रार लांजार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रारंभिक जांच में प्रशासनिक लापरवाही की आशंका जताई जा रही है।

18 साल बाद आरसीबी ने रचा इतिहास

आरसीबी ने आईपीएल इतिहास में जीता पहला खिताब

0 पंजाब किंग्स को फाइनल में चटाई धूल

नई दिल्ली

आरसीबी ने इतिहास रचते हुए 18 साल में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता। आईपीएल 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को धूल चटाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 190 रन बनाए। इसके जवाब में पंजाब किंग्स 184 रन ही बना सकी। शशांक सिंह ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली।

अहमदाबाद के नरेंन्द्र मोदी स्टेडियम में मंगलवार को आईपीएल फाइनल में इतिहास रचा गया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18 साल में पहली बार आईपीएल खिताब जीता। पंजाब किंग्स को फाइनल में आरसीबी ने 6 रन से हराया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स ने तेज शुरुआत की। पहले विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी हुई। इसके बाद हेजलवुड ने प्रियांश आर्य (24) को आउट कर पहला झटका दिया। 79 के स्कोर पर प्रभसिमरन आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर मात्र एक रन बनाकर आउट हुए।

क्रुणाल पांड्या का कमाल- क्रुणाल पांड्या ने 4 ओवर में 17 रन देकर दो विकेट चटकाए। उन्होंने सेट बल्लेबाज जोश इंगलिस (39) को आउट कर मैच में वापस लगा दिया। इसके बाद 17वें ओवर में दो विकेट लेकर पंजाब की हार में आखिरी कील ठोक दी। पंजाब किंग्स 20 ओवर में 7 विकेट पर 184 रन ही बना सकी।

शशांक सिंह ने लड़ी लड़ाई- पंजाब किंग्स के लिए जोश इंगलिस के बाद शशांक सिंह ने अंत कमाल की लड़ाई लड़ी। शशांक सिंह ने 30 गेंद पर नाबाद 61 रन की पारी खेली। इस दौरान तीन चौके और 6 छक्के लगाए। उन्होंने अंत तक पंजाब किंग्स की उम्मीद को जिंदा रखा।

आरसीबी की शुरुआत रही खराब- फाइनल मुकाबले में पंजाब के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय किया। काइल जैमीसन (3/48) और अर्शदीप सिंह (3/40) की अगुआई में पंजाब किंग्स के गेंदबाजों ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को 190 रन पर रोक दिया। अर्शदीप ने पारी के अंतिम ओवर में कमाल की गेंदबाजी करते हुए केवल तीन रन दिए और तीन विकेट चटकाए।

आईपीएल के 18 साल के करियर में चौथी बार फाइनल खेल रहे विराट कोहली ने सर्वाधिक 43 रन बनाए, लेकिन उन्होंने धीमी बल्लेबाजी की। कोहली ने पहले नौ ओवर में केवल एक चौका लगाया और उन्होंने 18 डाट गेंद खेलीं। आरसीबी और पंजाब दोनों ही पहली बार ट्रॉफी जीतने उतरी हैं। पंजाब ने 11 साल बाद तो आरसीबी ने 9 साल बाद फाइनल में जगह बनाई है।

जैमीसन-चहल ने दिए झटके- बेंगलुरु की टीम ने बड़ा स्कोर खड़ा करने के मौके को गंवा दिया। पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी, लेकिन आरसीबी के बल्लेबाजों ने एक के बाद एक विकेट गंवाए और कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। फिल साल्ट (16) और विराट ने टीम को सधी शुरुआत दिलाई, लेकिन दूसरे ही ओवर में जैमीसन ने साल्ट को आउट कर आरसीबी को पहला झटका दिया।

इसके बाद कोहली ने मयंक अग्रवाल (24) के साथ पारी को आगे बढ़ाया और टीम का स्कोर 50 के पार पहुंचाया। पावरप्ले तक आरसीबी की टीम 55 रन बना लिए थे। इसके बाद श्रेयस ने गेंद अपने सबसे भरोसेमंद गेंदबाज चहल को सौंपी और चहल ने अपने कप्तान का निराश नहीं किया। दूसरी ही गेंद पर उन्होंने मयंक को फंसाया और स्लाग स्वीप के चक्कर में वह डीप में अर्शदीप को कैच दे बैठे।

चहल मयंक का किया शिकार- चहल ने आईपीएल में सातवीं बार मयंक को आउट किया। दूसरा विकेट गिरने के बाद आरसीबी की रनों की गति थोड़ी धीमी हुई। विराट कोहली ने एक बार फिर पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन उनका योगदान महज 43 रन रहा, वो भी 35 गेंद में 122.85 के स्ट्राइक रेट से। उनकी पारी में सिर्फ तीन चौके लगे, जिनमें से दो नौ ओवर के बाद आए। टीम छह से 11 ओवर के बीच सिर्फ 42 रन ही जोड़ सकी।

रजत पाटीदार (26) और लियाम लिविंगस्टन (25) भी अपनी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। जैमीसन ने बेहतरीन लेंथ और विविधता से आरसीबी के बल्लेबाजों को बांधे रखा। जैमीसन के आंकड़े 17वें ओवर में थोड़ा बिगड़े जब जितेश शर्मा (24) व लिविंगस्टन ने मिलकर 23 रन बटोरे। जैमीसन ने तुरंत वापसी करते हुए लिविंगस्टन को फुल टॉस पर एलबीडब्ल्यू कर दिया।

आखिरी ओवर में गिरे तीन विकेट- पहले तीन ओवर में 37 रन लुटाने के बाद भारत के स्टार गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने आखिरी ओवर में शानदार वापसी करते हुए क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार और रोमारियो शेफर्ड के विकेट झटके। शेफर्ड ने एक छक्का और एक चौका लगाकर स्कोर 200 के पार ले जाने की कोशिश की लेकिन अर्शदीप ने उनका भी काम तमाम कर दिया।

रांची जा रही इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, 4000 फीट ऊंचाई पर खतरे में थी 175 यात्रियों की जान

रांची । आरएनएस

रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया। पटना से रांची आ रहा एक विमान, जिसमें 175 यात्री सवार थे, लैंडिंग से ठीक पहले एक पक्षी से टकरा गया। इस घटना के बाद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए विमान को लगभग 40 मिनट तक हवा में रखा और फिर सुरक्षित रूप से इमरजेंसी लैंडिंग कराई। विमान में सवार सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इंडिगो का एयरबस 320 विमान पटना से 175 यात्रियों को लेकर रांची के लिए रवाना हुआ था। एयरपोर्ट के डायरेक्टर आरआर मौर्य ने बताया कि विमान जब रांची एयरपोर्ट से 10-12 नॉटिकल माइल्स दूर और 3000-4000 फीट की ऊंचाई पर था, तभी यह एक पक्षी से टकरा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टकराने वाला पक्षी एक गिद्ध था।

बर्ड हिट के बाद विमान में मामूली कंपन महसूस हुआ, लेकिन पायलट ने स्थिति को नियंत्रण में रखा और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। एटीसी से अनुमति मिलने के बाद पायलट ने विमान को 40 मिनट तक हवा में सुरक्षित रूप से उड़ाया और फिर सफलतापूर्वक इमरजेंसी लैंडिंग कराई।

अधिकारियों ने बताया कि गिद्ध के टकराने से विमान के कुछ हिस्सों में मामूली डेंट आया है। फिलहाल, इंजीनियर्स की एक टीम विमान का निरीक्षण कर रही है और नुकसान का आकलन करने में जुटी हुई है। एयरपोर्ट प्रशासन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और उन्हें विमान से उतारकर टर्मिनल भेज दिया गया है। इस घटना के कारण एयरपोर्ट पर कुछ देर के लिए विमानों का परिचालन प्रभावित रहा, जिसे अब धीरे-धीरे सामान्य किया जा रहा है।

मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दो बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, फर्जी पासपोर्ट बरामद

मुंबई । आरएनएस

मुंबई पुलिस ने दो बांग्लादेशी नागरिकों को मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिकों के पास से फर्जी पासपोर्ट भी बरामद किए हैं।

मुंबई पुलिस ने एक बयान में कहा कि सहार पुलिस ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर दो बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी पासपोर्ट के साथ गिरफ्तार किया है। वे दोनों फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल कर जेद्दा के रास्ते नॉर्वे जाने की कोशिश कर रहे थे। आरोपियों की पहचान सुब्रतो मंडल और मीता गौरपद बिस्वास के रूप में हुई है, जिन्हें इमिग्रेशन जांच के दौरान पकड़ा गया है।

सहार पुलिस अधिकारी के अनुसार, दोनों व्यक्ति बांग्लादेश के खुलना और गोपालगंज जिलों के रहने वाले हैं। वे कथित तौर पर छह साल पहले पश्चिम बंगाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे और तब से कोलकाता में रह रहे थे। अपने प्रवास के दौरान दोनों ने 2024 में जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके अपने और अपने बच्चों के लिए भारतीय पासपोर्ट हासिल करने में कामयाबी हासिल की थी।

पुलिस ने कहा कि 1 जून की रात करीब 12:30 बजे दंपति अपने बच्चों के साथ इमिग्रेशन क्लीयरेंस के लिए मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे। उन्हें जेद्दा के लिए 2:30 बजे की फ्लाइट पकडऩी थी, जहां से वे नॉर्वे जाने वाले थे। हालांकि, नियमित जांच के दौरान इमिग्रेशन अधिकारी उमेश दत्तात्रेय निंबालकर को उनके पासपोर्ट पर संदेह हुआ। वरिष्ठ इमिग्रेशन अधिकारियों द्वारा आगे की पूछताछ के बाद दंपति ने बांग्लादेशी नागरिक होने की बात कबूल की, जिन्होंने 2020 में अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था।

उन्होंने खुलासा किया कि उनका बच्चा 2023 में कोलकाता में पैदा हुआ था और नबोनिता नामक एक एजेंट की मदद से वे 2024 में भारतीय पासपोर्ट प्राप्त करने में सफल रहे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने नॉर्वे के लिए वीजा हासिल कर लिया था।

इमिग्रेशन अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए दोनों ने बांग्लादेश में अपने रिश्तेदारों से संपर्क किया, जिन्होंने उनकी असली पहचान की पुष्टि करने में मदद की। जब उनके बांग्लादेशी मूल की पुष्टि हो गई, तो इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें पुलिस को सौंप दिया। फिलहाल मुंबई पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर पर डोजियर में कबूलनामा

भारत ने पाकिस्तान के 9 से अधिक ठिकानों को पहुंचाया नुकसान

नई दिल्ली । आरएनएस

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकियों के ठिकाने को ध्वस्त किया था। इसी बीच पाकिस्तान डोजियर ने भारत के हमले में हुए नुकसान को लेकर बड़ा कबूलनामा किया है। पाकिस्तान के ऑपरेशन 'बुनयान उन मार्सोस' पर आधिकारिक डोजियर में बताया गया है कि भारत ने कम से कम आठ अतिरिक्त ठिकानों पर हवाई हमला किया है। जिनका खुलासा भारत की तरफ से पहले नहीं किया गया था।

पाकिस्तानी डोजियर के सैटेलाइट इमेज में पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, गुजरांवाला, बहावलनगर, अटक और छोर जैसे प्रमुख शहर है, जिसमें तबाही का जिक्र किया गया है। आपको बता दें कि भारतीय वायु सेना या सैन्य संचालन महानिदेशक ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की सार्वजनिक रूप से जानकारी दी थी।

यह डोजियर 'ऑपरेशन सिंदूर' के द्वारा पाकिस्तान को हुए नुकसान को लेकर बड़ी जानकारी देता है और इसे पाकिस्तान की ओर से सीजफायर के लिए तत्काल आह्वान के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखा जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आंतकियों ने 26 पर्यटकों को गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था। जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

इसके बाद 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भारतीय सेना, वायुसेना और विदेश मंत्रालय ने संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग की थी, जिसमें विदेश सचिव विक्रम मिस्री, वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह और भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी शामिल हुई थी। सैन्य अधिकारियों ने आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले की क्लिप भी दिखाई थी।

इसमें बताया गया था पाकिस्तान और पीओके में नौ (9) ठिकानों को निशाना बनाया गया था, जिसमें आतंकवादी स्थल मरकज सुभान अल्लाह बहावलपुर, मरकज तैयबा, मुरीदके, सरजाल/तेहरा कलां, महमूना जोया सुविधा, सियालकोट, मरकज अहले हदीस बरनाला, भिम्बर, मरकज अब्बास, कोटली, मस्कर राहील शाहिद, कोटली जिले में स्थित हैं। इसके अलावा मुजफ्फराबाद में शावई नाला कैम्प, मरकज सैयदना बिलाल शामिल था।

इस पूरे ऑपरेशन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रात भर बारीकी से नजर रखी थी। सूत्रों ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और सैन्य कमांडरों के साथ लगातार संपर्क में थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अभियान योजना के अनुसार आगे बढ़े।

केदारनाथ धाम में जून में बर्फबारी, यात्रियों में उत्साह

रुद्रप्रयाग । आरएनएस

केदारनाथ धाम में इस वर्ष जून के महीने में भी मौसम लगातार बिगड़ा हुआ है। मंगलवार को केदारनाथ मंदिर और बेस कैंप क्षेत्र में हल्की बर्फबारी हुई, जिससे तीर्थयात्रियों में उत्साह और आश्चर्य दोनों देखने को मिले। हालांकि बर्फ गिरते ही जमीन पर पिघलने लगी, जिससे कुछ ही देर में बर्फ का नामोनिशान नहीं रहा। मंगलवार को सुबह से ही जनपदके अधिकांश क्षेत्रों में मौसम बदला हुआ था। दोपहर बाद मुख्यालय समेत कई इलाकों में बारिश हुई, जबकि केदारनाथ में सुबह करीब 11 बजे बर्फबारी शुरू हुई जो साढ़े 12 बजे तक चली। एक घंटे की इस हल्की बर्फबारी में बर्फ गिरते ही पिघल गई, जिससे चारों ओर सफेदी का नज़ारा ज्यादा देर टिक नहीं पाया। बीकेटीसी के प्रशासनिक अधिकारी युद्धवीर पुष्पवाण ने बताया कि जून माह में पहले भी केदारनाथ में बर्फबारी होती रही है, लेकिन इस समय बर्फ टिकती नहीं है। बावजूद इसके, बर्फबारी का नज़ारा देखने वाले यात्रियों में काफी उत्साह देखा गया। लगातार खराब मौसम के चलते यात्रा प्रभावित हो रही है। पैदल मार्ग पर यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं हेलीकॉप्टर सेवाएं भी बार-बार बाधित हो रही हैं। स्थानीय प्रशासन मौसम की स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए हुए है।

भारी बारिश से उत्तरी सिक्किम में तबाही, तीन जवानों की मौत, 6 लापता; 1,600 से ज्यादा पर्यटक रेस्क्यू

नई दिल्ली । आरएनएस

उत्तरी सिक्किम में भारी बारिश के चलते हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। कई इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लाचुंग और चुंगथांग में फंसे 1,678 पर्यटकों को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जबकि लाचुंग में अब भी 100 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं।

मंगन जिले के छातेन क्षेत्र में सोमवार को एक सैन्य शिविर पर भूस्खलन की चपेट में आने से तीन जवानों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य अभी भी लापता हैं। मृतकों की पहचान लखविंदर सिंह, लांस नायक मुनिश ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लखड़ा के रूप में हुई है। सेना, एनडीआरएफ और पुलिस की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

भारी बारिश से सड़कें बंद, पुल तबाह

राज्य के पुलिस महानिदेशक अक्षय सचदेवा ने बताया कि कुछ पर्यटकों को गंगटोक पहुंचाया गया है, जबकि लाचेन में फंसे लोगों को निकालने का प्रयास जारी है। मंगन जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण कई जगहों पर सडक़ें बाधित हो गई हैं और दरारें पड़ गई हैं। लाचेन क्षेत्र में दो पुल पूरी तरह से तबाह हो चुके हैं, जिससे लाचेन और लाचुंग की ओर जाने वाले सभी रास्ते कट गए हैं।

बीआरओ और सेना कर रही हैं सड़क़ बहाली की कोशिशें

सीमा सडक़ संगठन ने सडक़ नेटवर्क की बहाली का काम शुरू कर दिया है, ताकि राहत सामग्री और रेस्क्यू टीमों की आवाजाही फिर से शुरू हो सके। एक अधिकारी के अनुसार, वाहनों के काफिले के माध्यम से पर्यटकों को फंदाग पहुंचाया गया, जिनमें 561 महिलाएं, 380 बच्चे और सात से अधिक पुरुष शामिल थे।

130 मिमी से ज्यादा बारिश, तीस्ता नदी उफान पर

बीते चार दिनों से पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश हो रही है। उत्तर सिक्किम में अब तक 130 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इसका सबसे ज्यादा असर लाचुंग, गुरुडोंगमार, लाचेन और फूलों की घाटी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पड़ा है। तीस्ता नदी में जलस्तर काफी बढ़ गया है, जिससे आस-पास के क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है।

पीएम मोदी ने बाढ़ प्रभावित असम और सिक्किम के मुख्यमंत्री से की बात, हर संभव मदद का दिया आश्वासन

नई दिल्ली । आरएनएस

पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूर्वोत्तर राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों से बाढ़ के कारण उत्पन्न हुई स्थिति पर बात की। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और मणिपुर के राज्यपाल अजय भल्ला से बात की। इस दौरान उन्होंने भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न हुई स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने उन्हें हर संभव मदद और समर्थन का आश्वासन दिया।

इससे पहले, सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने पूर्वोत्तर राज्यों के कई हिस्सों में हो रही लगातार भारी बारिश पर गहरी चिंता जताई थी।

जे.पी. नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और भाजपा की राज्य इकाइयों और कार्यकर्ताओं को राहत कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्देश दिया है।

नड्डा ने अपनी पोस्ट में लिखा, पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश से प्रभावित लोगों के लिए बहुत चिंतित हूं। मैंने भाजपा की राज्य इकाइयों और कार्यकर्ताओं को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। मैं प्रभावित क्षेत्रों में सभी से आग्रह करता हूं कि वे आवश्यक सावधानी बरतें, अनावश्यक यात्रा से बचें और स्थानीय अधिकारियों की सलाह का पालन करें।